Business Line, Delhi, 20/01/2026
Page No: 7, Size: 38.44cm × 19.16cm

GAIL's SAPL gas pipeline connects India's energy heartland with the east

Rishi Ranjan Kala
New Delhi

State-run GAIL's Srikakulam–Angul pipeline (SAPL) for transporting natural gas is an exercise to re-engineer India's energy map by connecting the eastern and western supply sources, while strengthening the national gas grid (NGG) with new operational flexibility.

ANALYSIS.

The SAPL is part of GAIL's efforts to strengthen the NGG. Other critical pipeline projects include the Mumbai–Nagpur–Jharsuguda Pipeline (MNJPL) and the Gurdaspur–Jammu Pipeline (GJPL).

LARGEST GAS UTILITY

Through the 422 km-long pipeline, the country's largest gas utility has created a high-capacity, bi-directional gas corridor through Andhra Pradesh and Odisha connecting key commercial towns and unlocking industrial potential.

FUELLING NETWORK. The Srikakulam–Angul pipeline is part of GAIL's efforts to strengthen the national gas grid REUTERS

SAPL, which will supply gas to around 1.5 million households, was dedicated to the nation by Prime Minister Narendra Modi in October last year. It has been built at a total cost of around ₹2,800 crore. The pipeline, which connects Srikakulam in Andhra Pradesh to Angul in Odisha, covers 124 km in Andhra Pradesh and the remaining 298 km in Odisha.

SAPL traverses seven districts, crossing rugged terrain, dense forest patches, major rivers and diverse environmental zones.

718 PERMISSIONS

An official said SAPL's alignment cuts across geographies as varied as coastal plains, agricultural fields, forest belts, rocky uplands and major water bodies. Each segment presented a distinct engineering challenge.

Overall, GAIL has an existing 16,848 km of gas pipeline network, with a capacity of 208 million standard cubic meters per day covering 20 States

For instance, SAPL required 718 permissions — from forest, revenue, railways, NHAI, irrigation, district authorities, and local institutions.

Besides, one of its most remarkable engineering achievements while laying the pipeline was the 3.8 km horizontal directional drilling (HDD) under the Mahanadi River, which was completed in 66 days.

It is India's second-longest HDD, showcasing advanced engineering, including electromagnetic steering, single-shot pipe pull and mud recycling systems, the official noted.

Another official explained that the pipeline unlocks benefits across industry, mobility and households.

For instance, he noted that companies such as Vedanta, NALCO and Utkal Aluminium now have access to consistent, cleaner and more cost-effective energy. Besides, it boosts city gas distribution (CGD) connectivity.

HOW IT'S DONE

What is worth noting, said the official, is that SAPL sets methodological and technological benchmarks for multi-terrain pipelines worldwide, such as the intersection method for long distance HDDs in river systems and monsoon-adaptive construction planning in sub-tropical geographies.

Overall, GAIL has an existing 16,848 km of gas pipeline network with a capacity of 208 million standard cubic meters per day (MSCMD) covering 20 States.

PROJECT DELAY

Earlier this month, GAIL, in a BSE filing, said the project completion date of SAPL has been revised from December 2025 to June 2026. The delay is due to pipeline work getting affected on account of delay in receipt of forest working permission for 56 km length. However, the entire mainline of 422 km was commissioned on September 26, 2025.

The Petroleum and Natural Gas Regulatory Board (PNGRB) It has authorised 82 Natural Gas Pipeline licences and 30 Petroleum Product Pipeline licences.

To increase the availability of natural gas across the country, PNGRB has authorised 34,233 km of NGPL network, of which 25,429 km has become operational (June 2025) and another 10,459 km length is under various stages of construction.

Amar Ujala(My City), Meerut, 20/01/2026
Page No: 1, Size: 21.14cm × 14.21cm

तैयारी

सराफा बाजार को मिलेगी गेल गैस की सौगात

अब सुरक्षित ऊर्जा से बढ़ेगी सोने की चमक

माई सिटी रिपोर्टर

मेरठ। एशिया के सबसे बड़े स्वर्ण बाजार के रूप में पहचाने जाने वाले मेरठ के पुराने सराफा बाजार के लिए बड़ी राहत और खुशखबरी सामने आई है। वर्षों से चली आ रही मांग अब पूरी होने जा रही है।

गेल गैस लिमिटेड इंडिया ने सराफा बाजार में पीएनजी गैस पाइपलाइन बिछाने की तैयारी पूरी कर ली है। प्रारंभिक निरीक्षण के बाद अब सुरक्षा व्यवस्थाओं और लाइन बिछाने के कार्य को अंतिम रूप दिया जा रहा है। इसके लागू होते ही करीब 2500 सराफा उद्यमियों को सीधा लाभ मिलेगा।

अब तक आभूषण निर्माण में एलपीजी सिलेंडरों पर निर्भर सराफा उद्योग जल्द ही पाइपलाइन गैस से संचालित होगा। इससे न केवल कामकाज अधिक सुरक्षित होगा बल्कि उत्पादन लागत में भी उल्लेखनीय कमी आएगी।

मेरठ बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष राजकिशोर रस्तोगी ने बताया कि नील गली, कागजी बाजार, सराफा बाजार और आसपास के आभूषण क्लस्टर क्षेत्रों का प्रारंभिक तकनीकी सर्वेक्षण पूरा हो चुका है। जल्द ही विस्तृत सर्वे शुरू किया जाएगा, जिसके बाद पाइपलाइन बिछाने का कार्य तेजी से आगे बढ़ेगा।

चैंबर फॉर डेवलपमेंट एंड प्रमोशन ऑफ एमएसएमई के सचिव आशुतोष अग्रवाल ने बताया कि यह योजना गेल गैस के राष्ट्रीय पीएनजी अभियान 2.0 के अंतर्गत लाई जा रही है जिससे पांच वर्षों से चली आ रही सराफा व्यापारियों की मांग अब पूरी हो सकेगी।

डेढ़ गुना कम लगेगा ईंधन

बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के महामंत्री डॉ. संजीव अग्रवाल ने बताया कि पीएनजी गैस से आभूषण निर्माण में ईंधन की खपत लगभग डेढ़ गुना तक कम हो जाएगी। इससे उत्पादन लागत घटेगी और प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ेगी। सबसे अहम बात यह है कि पीएनजी पाइपलाइन में हर दूसरे कनेक्शन पर चेक वाल्व लगाया जाएगा जिससे आग लगने का खतरा लगभग समाप्त हो जाएगा। मौजूदा समय में प्रयुक्त एलपीजी सिलेंडर न केवल महंगे हैं, बल्कि सुरक्षा के लिहाज से भी जोखिम भरे साबित होते हैं। उन्होंने बताया कि गेल गैस द्वारा 15 मीटर तक कारखानों के अंदर आंतरिक डाउनस्ट्रीम पाइपिंग की निशुल्क स्थापना की जाएगी। इसके अलावा उपकरण सुरक्षा जमा राशि, तृतीय पक्ष निरीक्षण शुल्क सहित विभिन्न मदों में प्रति कनेक्शन करीब 50 हजार रुपये तक की बचत होगी। कुल मिलाकर आगरा की तर्ज पर मेरठ के सराफा उद्योग को निःशुल्क पीएनजी कनेक्शन और आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर की सुविधा मिलेगी, जिससे सोने की चमक के साथ कारोबार भी नई ऊंचाइयों को छुएगा।

Hindustan, Meerut, 20/01/2026
Page No: 4, Size: 24.98cm × 10.24cm

शहर सर्राफा नील की गली में पहुंचेगी गेल गैस

बिछेगी पाइप लाइन

मेरठ, प्रमुख संवाददाता । नील गली सर्राफा बाजार में जल्द ही पाइप नेचुरल गैस (पीएनजी) की सुविधा मिलने जा रही है। चैंबर फॉर डेवलेपमेंट एंड प्रमोशन ऑफ एमएसएमई की 5 साल की मेहनत के बाद यह उपलब्धि हासिल हुई है। इस परियोजना में गैल गैस ऑथोरिटी निवेश कर रही है, जिससे इस क्षेत्र के 2500 से अधिक आभूषण कारखानों को लाभ होगा। मेरठ बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष राजकिशोर रस्तोगी एवं महामंत्री डॉ संजीव अग्रवाल ने बताया कि नील गली, कागजी बाजार, सर्राफा बाजार और आसपास के आभूषण क्लस्टर क्षेत्र का प्रारंभिक तकनीकी सर्वेक्षण गेल गैस लिमिटेड द्वारा किया जा चुका है। गैल गैस द्वारा पीएनजी कनेक्टिविटी प्रदान करने की तकनीकी व्यवहार्यता की अनुमति मिली है। विस्तृत तकनीकी सर्वेक्षण जल्द ही किया जाएगा।

यह मिलेंगे लाभ

मेरठ बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन महामंत्री डॉ संजीव अग्रवाल ने बताया के नेशनल पीएनजी ड्राइव 2.0 के तहत नील गली सर्राफा बाजार क्षेत्र के पात्र सर्राफा उद्योगों को कई लाभ दिए जाएंगे, जिसमें इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलेपमेंट, 15 मीटर तक कारखानों के अंदर आंतरिक/ डाउनस्ट्रीम पाइपिंग की निःशुल्क स्थापना होगी। गैल गैस की पीएनजी से आभूषण निर्माण की लागत कम होगी क्योंकि इससे ईंधन की खपत 1.5 गुना तक कम हो जाएगी।

> कुल मिलकर मेरठ के सर्राफा उद्योग को आगरा की तर्ज पर और निःशुल्क पीएनजी कनेक्शन मिलेगा। कारखानों के अंदर का इंफ्रास्ट्रक्चर भी गैल गैस तैयार करके देगा। इससे उद्योग को चार चांद लग जाएंगे। ये नए दौर की शुरुआत है।
>
> **आशुतोष अग्रवाल**, सचिव चैंबर फॉर डेवलेपमेंट एंड प्रमोशन ऑफ एमएसएमई